प्रथमः पाठः

532UZB

नैनीतालभ्रमणम्

(लङ्लकारः (भूतकालः), आकारान्त-स्त्रीलिङ्गशब्दश्च)

एकदा ललिता वाटिकाम् अगच्छत्। तत्र कला गीता च अमिलताम्। तत्र ललिता कलाम् अपृच्छत्। कले! त्वं कुत्र अभ्रमः? किं किं च नगरं तुभ्यम् अरोचत। तदा कला ताम् अवदत्। अहं ग्रीष्मावकाशे अम्बया सह नैनीताल नगरम् अगच्छम्। तदानीं मम अनुजा वन्दना जनकः अपि आस्ताम्। वयं तत्र एकस्मिन् प्रवासभवने (होटल-मध्ये) अवसाम।

तत्र एकः विशालः सरोवरः अस्ति। यत्र प्रातः अहं वन्दना च सरोवरं परितः अभ्रमाव।

आवां जनकं नौकायात्रायै अवदाव। मध्याह्ने वयं नौकया जलाशये अभ्रमाम।

तत्र अनेकाः नौकाः पर्यटकान् नीत्वा इतस्ततः अगच्छन्। जनाः नौकासु उपविश्य मनोर ´जनम् अकुर्वन्। वयम् अपि नौकागत्या आनन्दम् अन्वभवाम। पर्वतानां मध्ये नौकाभ्रमणम् अत्यानन्दम् अजनयत्। ललिता अवदत्-अहमपि नैनीतालनगरं द्रष्टुम् इच्छामि।

शब्दार्थ

वाटिकाम्=बगीचे। **अमिलताम्**=मिलीं। **कलां**=कला से। **अभ्रमः**=भ्रमण की हो। **अरोचत**=रुचिकर लगे, अच्छे लगे। **ताम्**=उससे। **अवदत्**= बतायी, बोली। **अम्बया सह**=माता के साथ। **तदानीं**=उस समय। **आस्ताम्**=थे। **एकस्मिन्**=एक। **प्रवासभवने**=होटल में। **अवसाम**=रहे, निवास किये। **अभ्रमाव**=घूमे, टहले। **अवदाव**=कहा। **इतस्ततः**=इधर-उधर। **नौकागत्या**=नाव की चाल से, नाव की गति से। **अन्वभवाम**=अनुभव किया।

अभ्यास

1. उच्चारण करें-

अभ्रमः ग्रीष्मावकाशे मध्याह्ने वन्दना नौकायात्रायै अभ्रमाम अत्यानन्दम् द्रष्टुम्

2. एक पद में उत्तर दें-

(क) ललिता कुत्र अगच्छत्?

(ख) जनाः नौकासु उपविश्य किम् अकुर्वन्?

(ग) ग्रीष्मावकाशे कला कुत्र अगच्छत्?

(घ) नैनीताल-नगरे कला कुत्र अवसत्?

3. कोष्ठक के उचित शब्दों से रिक्त स्थानों की पूर्ति करें-

(क) एकदा ..... वाटिकाम् अगच्छत्। (ललिता, कला, गीता)।

(ख) तत्र ललिता कलाम् .....। (अपृच्छत्, अपृच्छताम्, अपृच्छन्)।

(ग) तदा कला ताम्.....। (अवदत्, अवदताम्, अवदन्)।

(घ) वयं तत्र एकस्मिन् प्रवासभवने (होटलमध्ये) .....। (अवसम्, अवसाव, अवसाम।)

4. हिन्दी में अनुवाद करें-

(क) बालिका वाटिकाम् अगच्छत्।

(ख) तत्र कला गीता च अमिलताम्।

(ग) तत्र ललिता कलां अपृच्छत्।

(घ) तदा कला ताम् अवदत्।

5. निम्नलिखित धातुओं का लट्, लृट्, तथा लङ् लकारों का रूप प्रथम पुरुष एकवचन में लिखें-

	लट् लकार	लृट् लकार	लङ् लकार
पठ्	.....	.....	.....
वद्	.....	.....	.....
गम्	.....	.....	.....
भ्रम्	.....	.....	.....

6. संस्कृत में अनुवाद करें-

(क) मैं विद्यालय गयी।

(ख) तुम कहाँ गयी थी ?

(ग) सरोवर में मैंने नौका-भ्रमण किया।

7. रेखांकित पदों के आधार पर संस्कृत में प्रश्न निर्माण करें-

(क) एकदा लता वाटिकाम् अगच्छत्।

(ख) ग्रीष्मावकाशे निखिलः जयपुर-नगरं गमिष्यति।

(ग) जनाः नौकासु उपविश्य मनोर× जनं कुर्वन्ति।

विशेष-

(क) जिन शब्दों के अन्त में 'आ' स्वर होता है, उन्हें आकारान्त शब्द कहते हैं, जैसे- ललिता, सीता, सुधा, बालिका, गङ्गा, यमुना, नर्मदा, अम्बा, दुर्गा, कला आदि। सभी शब्दों के रूप सातों विभक्तियों में होते हैं।

(ख) 'गया, नहीं गयी, क्यों गये' अथवा 'था, थी, या थे' चिह्न वाले पद जो बीते हुए काल में किये गये कार्यों को बताते हैं, उन्हें भूतकाल की क्रिया कहते हैं। उस भूतकाल की क्रिया का बोध कराने के लिए धातु के लङ्लकार के रूप का प्रयोग किया जाता है। जैसे-

पठ्= पढ़ना (भूतकाल) लङ्लकार

	एकवचन	द्विवचन	बहुवचन
प्र. पु.	अपठत्	अपठताम्	अपठन्
म. पु.	अपठः	अपठतम्	अपठत
उ. पु.	अपठम्	अपठाव	अपठाम

गम् (गच्छ्), पा (पिब्), नम्, वद्, हस्, खाद्, चल्, वस्, भ्रम्, धाव्, दृश् (पश्य्), वि+हृ

(विहर्), आ+गम् (आगच्छ्) आदि धातुओं के भूतकाल (लङ्लकार) के रूप इसी प्रकार होते हैं।

शिक्षण संकेत-

1. पाठ में आये हुए आकारान्त स्त्रीलिङ्ग शब्दों का वाक्यों में प्रयोग करायें।

2. काल के अनुसार लकारों के प्रयोग को बताकर उनका वाक्यों में अभ्यास करायें।